माननीय अस्थायी अध्यक्ष का स्वागत घोषणा

अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, आज 18वीं बिहार विधान सभा के प्रथम सत्र के इस ऐतिहासिक अवसर पर आप सबका स्वागत है । जनता ने हमें अपने विश्वास का प्रतिनिधि बनाकर इस गरिमामय सदन में भेजा है । लोकतांत्रिक परंपराओं को मजबूत करने का यह अवसर हम सभी के लिए गौरव का विषय है ।

माननीय सदस्यगण, लोकतंत्र में सत्ता पक्ष का दायित्व है कि उसका कार्य बोले और विपक्ष का धर्म है कि वह जनता की आवाज बने । लोहिया जी ने हमेशा नैतिक राजनीति की अवधारणा पर बल दिया है जिसमें सत्ता हो या विपक्ष, दोनों में जनता के प्रति उत्तरदायित्व की भावना बनी रहे ।

इस नवगठित विधान सभा के प्रथम कार्य के रूप में, मेरी यह जिम्मेदारी है कि मैं नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाऊँ और सदन के स्थायी अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया सुचारु ढंग से संचालित करूँ । मुझे विश्वास है कि हम सब लोकतांत्रिक आदर्शों, संसदीय मर्यादाओं और बिहार की जनता की अपेक्षाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इस प्रक्रिया को सफल बनाएंगे ।

मैं एक और सूचना देना चाहता हूँ कि पांच दिवसीय इस संक्षिप्त सत्र में कई औपचारिक कार्य निष्पादित किए जाने हैं इसलिए इस सत्र में प्रश्न नहीं लिए जाएंगे ।

माननीय सदस्यगण, इस सभा वेश्म की 250 सीटें नवीनतम तकनीक से सुसज्जित की गई हैं और प्रत्येक सीट पर वाई-फाई युक्त टैब स्थापित कर दिए गए हैं । यह पहल हमारे सदन को पूर्णत: डिजीटल और अधिक सक्षम बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है ।

इस डिजिटल हाउस के औपचारिक प्रारंभ के पहले एक कार्यशाला का आयोजन होगा जिसमें नेवा सेवा केन्द्र की तकनीकी टीम के सहयोग से आपको इस नई विधा को समझने का मौका मिलेगा । अभी जब आपका नाम पुकारा जाए तब आप अपने सीट के सामने लगे पैनल के बटन को ऑन कर देंगे । इससे कन्ट्रोल रूम से आपके माईक को सक्रिय कर दिया जाएगा ।

माननीय सदस्यगण, अब शपथ ग्रहण की कार्यवाही प्रारंभ होगी । शपथ और प्रतिज्ञान की प्रतियां हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू एवं मैथिली में आपके सामने रखी हुई है जिनकी जैसी रूचि हो, उस भाषा में शपथ या प्रतिज्ञान ले सकते हैं । जब आप पुकारे जायें तब आपको अपनी रूचि की भाषा में शपथ या प्रतिज्ञान लेना है । सामने में मेज पर रजिस्टर है, उसमें आपको हस्ताक्षर करना है । यही परंपरा बराबर से अपनायी जाती रही है। सबसे पहले मंत्रिपरिषद् के सदस्यगण और तब बारी-बारी से माननीय सदस्यों का नाम सभा सचिव द्वारा पुकारे जायेंगे और वे अपने स्थान से ही शपथ पत्र पढ़कर मेज पर रखे रजिस्टर में हस्ताक्षर करेंगे और मुझसे मिलकर स्थान ग्रहण करेंगे ।